हिन्दी दैनिक

RNI-BIHHIN/2012/43368

नवशक्ति

www.navshaktinews.in

navshakti news paper patna

वर्ष : 14, अंक : 22 | पटना, सोमवार, 10 मार्च, 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य : दो रुपये

मुख्यमंत्री ने 51 हजार 389 नवनियुक्त शिक्षकों को प्रदान किया नियुक्ति पत्र, दी बधाई एवं शुभकामनाएं

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज गांधी मैदान में बिहार लोक सेवा आयोग (बी०पी०एस०सी०) द्वारा चयनित 51 हजार 389 शिक्षिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नूतन कुमारी, आरती कुमारी, वर्षा राज, खुशबू कुमारी, पंकज कुमार, सानिया परवीन, काजल कुमारी, आशुतोष आनंद, आनंद एवं मिश्रा खुशबू सुनील को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करने के पश्चात मुख्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि आज जिन नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। आप सब खुश रहें, मुस्कुराते रहें और बेहतर ढंग से अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करें। बहुत खुशी की बात है कि हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 51 हजार 389 शिक्षकों का चयन किया गया जिन्हें आज नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। गांधी मैदान में 10 हजार शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया जबकि शेष लोगों को जिलों से नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमलोगों को यहां काम करने का मौका मिला तो शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी के लिए कई कदम उठाए गए। नियोजित शिक्षकों की बहाली की गई। वर्ष 2023 में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा नये शिक्षकों की बहाली की गई। पहले चरण में 1 लाख 20 हजार 336 शिक्षकों का तथा द्वितीय चरण में 94 हजार 833 शिक्षकों की बहाली की गई है। दोनों चरणों के नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र पहले ही प्रदान किया जा चुका है। तीसरे चरण वाले आज 51 हजार 389 नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इन तीनों चरणों को मिलाकर कुल 2 लाख 68 हजार 548 नये शिक्षक बहाल हो गए हैं। इसके अलावे बी०पी०एस०सी० द्वारा आयोजित परीक्षा में 42 हजार 918 हेडमास्टर भी पास हुए हैं जिन्हें अगले महीने नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इन चारों चरणों को मिलाकर बी०पी०एस०सी० से नियुक्त होनेवाले नये शिक्षकों की संख्या 3 लाख 11 हजार 466 हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में शिक्षकों की अत्यधिक कमी के कारण वर्ष 2006-07 से पंचायत एवं नगर निकायों के माध्यम से बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की नियुक्ति की गई जिनकी कुल संख्या लगभग 3 लाख 68 हजार है जिसमें 28 हजार नियोजित शिक्षक बी०पी०एस०सी० परीक्षा में उत्तीर्ण होकर सरकारी शिक्षक बने। शेष 3 लाख 40 हजार शिक्षक नियोजित शिक्षक के रूप में बचे रह गए तो हमने तय किया कि नियोजित शिक्षकों को बी०पी०एस०सी० की परीक्षा देने की जरूरत नहीं है, उन्हें अलग से परीक्षा देकर सरकारी शिक्षक बनाने के लिए 5 अवसर दिये जायेंगे। अब तक 2 लाख शिक्षकों के लिए सक्षमता परीक्षाओं का आयोजन हो चुका है। एक लाख 87 हजार 818 नियोजित शिक्षक प्रथम सक्षमता परीक्षा में उत्तीर्ण हुए तथा 66 हजार 143 नियोजित शिक्षक दूसरी सक्षमता परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। दोनों को मिलाकर 2 लाख 53 हजार 961 नियोजित शिक्षक सरकारी शिक्षक बन चुके हैं। अब केवल 86 हजार 39 नियोजित शिक्षक बच गए हैं जिनको 3 मौके और दिए जाएंगे। बी०पी०एस०सी० द्वारा नियुक्त 3 लाख 11 हजार 466 नये सरकारी शिक्षक तथा 2 लाख 53 हजार 961

नियोजित शिक्षकों से बने सरकारी शिक्षकों की कुल संख्या को जोड़ दें तो राज्य में सरकारी शिक्षकों की कुल संख्या 5 लाख 65 हजार 427 हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने शुरू से ही सभी के उत्थान के लिए कार्य किया है। महिलाओं के उत्थान के लिए भी कई कार्य किए गए हैं। बड़ी संख्या में स्कूल खोले गए और कई स्कूलों में नये क्लास रूम बनाए गए। वर्ष 2006-7 में लड़के-लड़कियों के लिए पोशाक योजना शुरू की गई। वर्ष 2008 में नौवीं क्लास की लड़कियों के विद्यालय जाने के लिए साइकिल योजना चलाई गई। बाद में वर्ष 2010 से लड़कों के लिए भी साइकिल योजना चलाई गई। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सभी पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालय (10+2 स्कूल) खोले गए। लड़कियों को 12वीं परीक्षा पास करने पर पहले 10 हजार रुपये मिलते थे, जिसे बढ़ाकर अब 25 हजार रुपये कर दिया गया है। वहीं ग्रेजुएट पास होने पर 25 हजार से बढ़ाकर अब 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। लड़कियां अब अच्छे ढंग से पढ़ रही हैं और स्कूलों में लड़के और लड़कियों की संख्या अब लगभग बराबर हो गई है। पहले शिक्षा पर बहुत कम पैसा खर्च किया जाता था। अब हर वर्ष राज्य के बजट का लगभग 22 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च किया जा रहा है, इसे और अधिक बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी शिक्षकों से मैं कहना चाहता हूं कि वे अच्छे से बच्चों को पढ़ाएं और उनका विकास करें।

सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ें। उन्हें पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं हो, इस पर सबलोग विशेष ध्यान रखें। आज के इस अवसर पर बिहार लोक सेवा आयोग एवं शिक्षा विभाग को विशेष तौर पर बधाई देता हूं कि वे निर्धारित समय के अंदर बेहतर ढंग से कार्यों को पूर्ण कर रहे हैं। आप सभी लोगों को फिर से बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने पुस्तक भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, शिक्षा विभाग के सचिव श्री अजय यादव, पटना प्रमंडल के आयुक्त मयंक बरबड़े, पटना के जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारीगण एवं नवनियुक्त शिक्षक उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जिलों के प्रभारी मंत्री, विधायकगण, विधान पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं नवनियुक्त शिक्षक जुड़े हुए थे।

100 प्रतिशत डोमिसाइल की बात करने वाले पहले अपनी पार्टी में डोमिसाइल लागू करें : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज पटना के मिलर स्कूल के मैदान में आयोजित अत्यंत पिछड़ा वर्ग हुंकार सम्मेलन में हुंकार भरते हुए कहा कि विपक्ष का कल्याण और आरक्षण जहां अपने परिवार तक ही सीमित है, वहीं एनडीए की सरकार ने सभी वर्गों के गरीबों की चिंता की है। उन्होंने इस सम्मेलन में आए हजारों लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर पिछड़ों और अति पिछड़ों के सम्मान देने का काम किया है, तो एनडीए की सरकार ने किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली एनडीए की सरकार ने जननायक कपूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर उनका सम्मान किया, तो कल ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजगीर में जरासंध की आदमकद मूर्ति का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि इस प्रतिमा को देखकर और जानकर आने वाली पीढ़ी भी उनके इतिहास को जान सकेगी। उन्होंने उपस्थित लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि एनडीए सरकार सबका साथ, सबका विकास की बात करती है। उन्होंने बिना किसी के नाम लिए बिना राजद को निशाने पर लेते हुए कहा कि आज प्रतिपक्ष के लोग कहते हैं कि बिहार में 100 प्रतिशत डोमिसाइल होना चाहिए। लेकिन, मैं पूछना चाहता हूं कि जिस राजनीतिक दल में आप हैं, पहले उसमें 100 प्रतिशत डोमिसाइल करो। हरियाणा से लाकर राज्यसभा सदस्य बनाने का काम बंद करो। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि दल में डोमिसाइल है ही नहीं और पूरे बिहार में लागू करवाने चले। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने विपक्ष पर सियासी हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने केवल अपने बेटे, बेटी और पत्नी को आरक्षण देकर आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने कभी भी पिछड़ा, अति पिछड़ा को आगे बढ़ाने का काम नहीं किया। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस सम्मेलन में जितने भी लोग पहुंचे हैं, उनका विश्वास पीएम मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर है। ये पिछड़ा, अति पिछड़ा और वंचितों के लिए समर्पित हैं।

उन्होंने कहा कि आज जातीय गणना कराने और अति पिछड़ों और पिछड़ों के लिए आरक्षण का कोटा बढ़ाने की बात हो, तो नीतीश कुमार की सरकार ने ही किया है। उन्होंने उपस्थित लोगों को भरोसा देते हुए आश्वस्त किया कि अगर आपके कोई हितैषी हैं, तो वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं।

आसा किसी व्यक्ति विशेष के विरोध में नहीं हैः आर. सी. पी. सिंह

भागलपुर। भागलपुर जिले के कासिल, गोराडीह में आप सबकी आवाज (राष्ट्रीय) पार्टी का भव्य स्वागत समारोह एवं होली मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल ने की, जबकि संचालन कन्हैया सहाय ने किया। आयोजन के संयोजक प्रसेनजीत कुमार सिंह उर्फ हंसल सिंह थे और विशेष सहयोग पंचम श्रीवास्तव उर्फ सनातन ने दिया। इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं ₹आसा₹ के संस्थापक अध्यक्ष माननीय रामचंद्र प्रसाद सिंह (आर. सी. पी. सिंह) मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में लेफ्टिनेंट कर्नल कुमार सनातन उर्फ पंचम श्रीवास्तव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान सरकार की प्रशासनिक पकड़ कमजोर हो गई है और सरकारी विभाग मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे जनसंघ से भाजपा बनी, वैसे ही ₹आसा₹ बिहार में सत्ता में आकर खुशहाल राज्य की नींव रखेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि जब आर. सी. पी. सिंह प्रशासनिक सेवा में थे, तब बिहार ने कुशासन से सुशासन की ओर कदम बढ़ाया था, और 2010 में जब उन्होंने पार्टी नेतृत्व संभाला, तो संगठन को बूथ स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक मजबूत किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रसेनजीत कुमार सिंह उर्फ हंसल सिंह ने कहा कि विरोधियों ने इस कार्यक्रम को विफल करने के लिए धमकियां दीं और बैनर फाड़े, लेकिन ₹आसा₹ जनता की ताकत से आगे बढ़ रही है और किसी के सामने झुकने वाली नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि जब तक आर. सी. पी. सिंह सरकार में थे, बिहार निरंतर प्रगति कर रहा था, लेकिन उन्हें साजिश के तहत सत्ता से दूर किया गया क्योंकि उन्होंने दलितों और पिछड़ों को सत्ता में भागीदारी देना शुरू किया था। उन्होंने कहा कि आर. सी. पी. सिंह ने प्रशासनिक सेवा और विधायिका में अपनी अमिट छाप छोड़ी है, जिससे बिहार और देश को विकास की नई दिशा मिली। अब उनके नेतृत्व में ₹आसा₹ बिहार को खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य अतिथि आर. सी. पी. सिंह ने कहा कि ₹आसा₹ किसी व्यक्ति विशेष के विरोध में नहीं है, बल्कि उन नीतियों के खिलाफ है जो आम जनता के लिए समस्याएं पैदा कर रही हैं। भागलपुर को उद्योग धंधों का हब बनाया जाएगा और हमारे पार्टी के नीतियों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य सभी परिवारों की खुशहाली सुनिश्चित करना, किसानों और युवाओं की पूर्ण भागीदारी को बढ़ावा देना और सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना है। बिहार को ऋक्षक्के डर से मुक्त प्रदेश बनाना, उन्होंने यह भी घोषणा की कि बिहार में अक्षय ऊर्जा को मुख्य स्रोत बनाया जाएगा, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा, युवाओं को जब तक रोजगार नहीं मिलेगा, तब तक उन्हें एकमुश्त सहायता राशि दी जाएगी, महिलाओं को अन्य पार्टियों की तुलना में अधिक डीबीटी सहायता दी जाएगी और किसानों को केंद्र सरकार से अधिक सम्मान निधि दी जाएगी। किसानों को पेंशन दिया जाएगा, महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान योजना के तहत अन्य राज्यों के सरकार से 100 रुपए अधिक दिए जाएंगे, बच्चों को बेहतर कोचिंग की व्यवस्था होगी, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आसा बिहार की नई राह प्रशस्त करेगी और जनता को खुशहाल बिहार की ओर ले जाएगी। इस अवसर पर लता सिंह, सतेंद्र सिंह, बिपिन कुमार सिंह, जयकांत सिंह, उदयकांत मिश्रा, बिशन सिंह बिट्टू, सुनीता कुमारी, मोहम्मद कयास, फिरोज अहमद, महेश प्रसाद, पंकज पासवान, रजनीश मिश्रा, संजीव कुमार पासवान सहित हजारों कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे। यह आयोजन ₹आसा₹ की बढ़ती लोकप्रियता और जनता के समर्थन का प्रमाण है। बिहार में परिवर्तन की लहर स्पष्ट रूप से दिख रही है और आसा 2025 में सत्ता में भागीदार बनने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोध को सत्ता समर्थन में बदलाः जेपी नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है।

नड्डा ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए पिछले तीन लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के पक्ष में बढ़ते मत प्रतिशत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, अब मोदी ने सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है। सत्ता समर्थक भावना का मतलब है कि लोग खुश हैं और चाहते हैं कि मोदी बार-बार जीतें। नड्डा ने कहा, भाजपा को 2014 लोकसभा चुनाव में 17 करोड़ वोट (31.30 प्रतिशत) मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 22 करोड़ (36.7 प्रतिशत) हो गये। पिछले लोकसभा चुनाव (2024) में यह आंकड़ा करीब 24 करोड़ वोट (37 प्रतिशत) था। लोग हर बार मोदी जी को अधिक मतों से आशीर्वाद दे रहे हैं। भाजपा प्रमुख यहां स्वामी विवेकानंद मैदान में राज्य सरकार के दूसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक रैली को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है।

उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की तुलना में मोदी काल में कर हस्तांतरण में पांच गुना वृद्धि हुई है। नड्डा ने कहा, संप्रग सरकार के दौरान त्रिपुरा को कर के रूप में 9,000 करोड़ रुपये मिलते थे जो बढ़कर 46,500 करोड़ रुपये हो गए हैं। इसी तरह, अनुदान सहायता जो संप्रग सरकार के समय 31,000 करोड़ रुपये थी, वह बढ़कर 54,000 करोड़ रुपये हो गई है। नड्डा ने अगले दो वर्षों में त्रिपुरा के चार रेलवे स्टेशनों अगरतला, उदयपुर, धर्मनगर और कुमारघाट के आधुनिकीकरण की भी घोषणा की।

पटना स्थित गरदनीबाध स्टेडियम परिसर में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुरज सिन्हा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह का उद्घाटन बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष सह सांसद डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने किया एवं प्रदेश की जनता को होली कि बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। इनके साथ प्रभारी सचिव सुशील पासी, शाहनवाज आलम तथा मैनिफेस्टो कमेटी के राष्ट्रीय समन्वयक अमिताभ दूबे, विधायक आनन्द शंकर, संतोष मिश्रा एव अन्य नेतागण भी थे।

जदयू नेता और जमुई विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी मो शमशाद आलम अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ राजद में शामिल

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय के कपूर्री सभागार में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में जनता दल यु नेता नेता और जमुई विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी मो शमशाद आलम ने अपने सैकड़ो के समर्थकों के साथ लालू जी के विचार और तेजस्वी जी के कार्यों से प्रभावित होकर राष्ट्रीय प्रधान महासचिव श्री अब्दुल बारी सिद्दीकी, राष्ट्रीय महासचिव श्री जयप्रकाश नारायण यादव, पूर्व मंत्री विजय प्रकाश यादव के समक्ष , पूर्व विधायक डॉ अनवर आलम, श्रीमती सावित्री देवी,प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद और मुंगेर प्रभारी महेंद्र विद्यार्थी की उपस्थिति में राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण की ।

इस अवसर पर मिलन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि इन सभी ने सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता की लड़ाई को मजबूती प्रदान करने के लिए बड़ी संख्या में जनता दल छोड़कर आज राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हुए हैं ,इन सभी का स्वागत है। इन्होंने कहा कि लालू प्रसाद जी ने हमेशा सांप्रदायिक शक्तियों को रोकने का काम किया है और देश में गंगा जमुनी संस्कृति को मजबूती प्रदान करने के लिए जो कार्य किया,वह अविस्मरणीय है।

इन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने सत्ता के लिए वैसी ताकत से समझौता कर लिया है जो देश में नफरत फैलाने का काम कर रही है। और इस तरह को कार्यो को भाजपा के द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है जो देश के संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। बिहार में इस तरह के माहौल को हम सभी मिलकर समाप्त करेंगे।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय महासचिव श्री

जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय के पुरोधा लालू प्रसाद जी के विचारों और तेजस्वी जी के द्वारा 17 महीने में किए गए कार्यों से प्रभावित होकर ही आज बड़ी संख्या में जमुई के लोग राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हुए हैं ,सभी काम स्वागत करते हैं। और आशा करते हैं कि बिहार की राजनीति को धार देने में और तेजस्वी जी के नेतृत्व को मजबूत करने में इन सभी का बड़ा योगदान और सहयोग रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया मो शमशाद आलम और उनके सैकड़ो समर्थकों को राजद का सदस्यता रसीद के साथ, प्रतीक चिन्ह का गमछा, टोपी और लालू प्रसाद जी के जीवनी पर लिखित पुस्तक गोपालगंज टू रायसीना देकर अब्दुल बारी सिद्दीकी, जयप्रकाश नारायण यादव और विजय प्रकाश ने सम्मानित किया और इन सभी को राजद की सदस्यता ग्रहण कराई।

इस अवसर पर इनके साथ जनता दल यु के नेता अशोक कुशवाहा, मो रुस्तम ,मो जावेद आलम, मोअतिकुर रहमान ,मोअरमान, गुड्डू शाह ,हसनु शाह,मो तनवीर लोहरा, मो रमजु मलिक, मो चंदू मलिक, मो महबूब आलम सहित सैकड़ो की संख्या में लोगों ने राजद की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर गोपाल प्रसाद गुप्ता, कुमर राय, बल्ली यादव, प्रमोद कुमार राम, निर्भय कुमार अंबेडकर, त्रिवेणी यादव, सलमान खुर्शीद, उपेंद्र चंद्रवंशी सहित अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित थे।

राहुल के सामाजिक न्याय के अभियान को सरजमीं पर उउतारने में लगे हैं कांग्रेस के नए प्रभारी कृष्णा अल्लावरु : मंजीत साहू

पटना। अतिपिछड़े वर्ग, दलित वर्ग और वैश्य समुदाय के विभिन्न जाति, समूहों, संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बिहार कॉंग्रेस प्रभारी श्री कृष्णा अल्लावरु जी की महत्वपूर्ण बैठक । पटना के शगुना मोर स्थित एक निजी गेस्ट हाउस में हुई इस बैठक में, सभी समूहों के प्रतिनिधियों ने वंचित समाज के साथ भागीदारी, सामाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक सवालों को लेकर लंबा विमर्श हुआ । यह बैठक सूबे बिहार सहित देश भर में राहुल गाँधी जी के नेतृत्व में हो रही सामाजिक परिवर्तन और सभी वर्गों के लिए न्याय के मुहिम का अहम हिस्सा है। बिहार युवा कॉंग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष और अखिल भारतीय अतिपिछड़ा संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक मंजीत आनन्द साहू ने कहा की बिहार कॉंग्रेस के नए प्रभारी श्री कृष्णा अल्लावरु राहुल गाँधी के सामाजिक न्याय के मुहिम को बिहार के सरजमीं पर उतारने के महाभियान में लगातार जुटे हैं। इस अभियान को लेकर सभी वंचित वर्ग खास तौर से उत्साहित हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोग जल्द ही कॉंग्रेस पार्टी का दामन थामेंगे। श्री साहू ने कहा की गौर करने योग्य यह है की भाजपा - जदयू नेतृत्व वाली ठऊअ सरकार ने अतिपिछड़ें, दलित और वैश्य समुदाय बीते बीस वर्षों में अपना वोट बनाकर रखी तो है पर इनके कल्याण के लिए आमूल चूल परिवर्तनकारी निर्णय नहीं हुए । अब ठऊअ वंचित समूह को गुलाम समझने की भूल न करे।

बिहार का 84% वंचित समुदाय प्रस्तावित 65% आरक्षण को लागू करने की मांग कर रहा है। जल्द ही नीतीश सरकार सुप्रीम कोर्ट में जाकर फंसा दिए गए इस आरक्षण के मुकदमे को वापस लेकर विधानसभा से 65% आरक्षण पुनः पास कराकर केंद को भेजे और केंद्र की मोदी सरकार इसे अनुसूची नौ में डालकर 65% बिहार के वंचित वर्ग के प्रतिनिधित्व को स्वीकार करे । ऐसा नहीं किया गया तो बिहार की भाजपा और जदयू नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को बिहार वासी उखाड़ फेंकने को तैयार हैं ।

छात्राओं को प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया गया

पटना। मन के हारे हार है और मन के जीते जीत यह कथन को साकार कर रही है प्रो आशा त्रिपाठी एवं अनुपमा सिंह अखिल भारतीय महिला परिषद के बिहार इकाई की कमान प्रो आशा के हाथ मे है इन्होंने श्री अरविंद महिला कॉलेज में लम्बी सेवा के बाद अवकाश प्राप्त कर हार नही मानी और लग गयी है शिक्षा के अलख जगाने में इन्होंने व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रही बेटियों को गोद लिया और उनकी मदद के लिए दस दस हजार का चेक प्रदान किया । चेक मिलने के बाद छात्राओं की चेहरे की चमक बता रही थी कि प्रो आशा ने इन छात्राओं के लिए आशा की किरण है । प्रो साधना ठाकुर प्रचार्या श्री अरविंद महिला कालेज पटना ने छात्राओं को हौसला बढ़ाते हुये कहा कि शिक्षा जीवन का सबसे बड़ी पूँजी है । हम महिला पुरुष के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलना चाहती है । हमे अपनी सोच में बदलाव लाने की जरूरत है । आज महिलाए सेना में पुलिस जैसे कठिन कार्यो में भी उत्कृष्ट कार्य कर रही है । वही अनुराधा सिंह ने कहा कि हमे

हमेशा समाज के बेहतरी के लिए कार्य करना ही चाहिए । देश के चर्चित गांधीवादी प्रेम जी संस्थापक प्रेम यूथ फाउंडेशन ने कहा कि महिलाओ के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार सभ्य समाज के लिए कलंक है ।

दहेज प्रथा, वाल विवाह, कन्या भूर्ण हत्या को लेकर जन चेतना जगाने की जरूरत है । महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना जरूरी है । भारत सरकार युवा कार्य्रकम एवं खेल मंत्रालय मेरा युवा भारत के राजयनिदेशक एसपी सिंह ने कहा कि जगत जननी नारी शक्ति के सहयोग और सहभागिता के बल पर ही भारत 2047 मे विकसित भारत बनेगा । कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ सपना बरुया ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रेम यूथ फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर प्रेरणा विजय ने किया । मौके पर डॉ गीता कुमारी, पामीर सिंह, एसआई अनु कुमारी, राष्ट्रीय खिलाड़ी व पत्रकार नीलम वर्मा, अदिति राज, इशिका कुमारी, शबया प्रवीण समेत सैंकड़ो छात्राओं ने भाग लिया ।

सामाजिक और बौद्धिक संगठनों के साथ बिहार कांग्रेस प्रभारी एवं बिहार अध्यक्ष ने की अहम बैठक

पटना। बिहार कांग्रेस ने अपने सामाजिक पटल के विस्तार और सांगठनिक मजबूती के लिए आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में राज्य के विभिन्न सामाजिक और बौद्धिक संगठनों के प्रभारी कृष्णा अल्लवारू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के साथ अहम बैठक आहूत की गई। बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लवारू ने अपने संबोधन में कहा कि सिविल सोसायटी के लोगों से कांग्रेस को बहुत सारी अपेक्षाएं हैं और हम उनकी अपेक्षाओं में खरे उतरने की कोशिश करेंगे। आज देश में जो अराजक माहौल बना है उसे सुधारने में सिविल सोसायटी के लोग अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिविल सोसायटी के सदस्य हमारे पार्टी के मैनिफेस्टो निर्माण उर

डोर टू डोर अभियान में सहयोगी के तौर पर मिलकर काम करें। साथ ही वोटर लिस्ट पंजीकरण अभियान और बूथ कमिटी निर्माण में सहयोग करें। सामाजिक संगठनों के साथ कांग्रेस मजबूती से खड़ी रहेगी। सिविल सोसायटी के विभिन्न लोगों ने अपनी बातों को प्रभारी कृष्णा अल्लवारू और प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के समक्ष रखी जिनको उन्होंने ध्यान से सुना और उनपर काम करने की पहल भी की। बैठक में बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि वर्तमान दौर में कांग्रेस को सामाजिक तौर पर मजबूत करने में स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और सिविल सोसायटी के बौद्धिक वर्गों की बेहद जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज बिहार राज्य कोल्ड स्टोरेज की कमी, किसानों की आमदनी में कमी, बिहार की प्रति व्यक्ति आय के निम्न होने और पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने की बात लगातार

कहने वाली भाजपा नेतृत्व वाली नरेंद्र मोदी सरकार ने बंटाधार कर रखा है। कांग्रेस की ओर से सदन में भी कांग्रेस के सदस्यों ने इस समस्या को उठाया। नीति आयोग की सरकारी रिपोर्ट में भी बिहार के बदहाल स्थिति को बताया गया। राज्य में उद्योग धंधे बंद पड़े हैं। इसको शुरू करने के लिए राज्य और केंद्र की सरकार ने कुछ कदम नहीं उठाए। बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आकर बोली लगाकर चले जाते हैं लेकिन समस्याएं मुंह बाएं खड़ी रहती है। कार्यक्रम का संयोजक रिसर्च विभाग के चेयरमैन और प्रवक्ता आनन्द माधव ने कहा कि कहीं ना कहीं हम सब एक ही उद्धेश्य से लड़ रहे हैं लोकिन अलग अलग। हमें साथ चलनें की जरूरत है, जिससे इस कुशासन एवं अलोकतांत्रिक शासन का अंत हो। बैठक का संचालन रिसर्च विभाग की डॉ मधुबाला ने किया। सामाजिक संगठनों और बौद्धिक वर्ग के साथ बैठक में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लवारू, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह, प्रभारी सचिव द्वय सुशील कुमार पासी और शाहनवाज आलम, एआईसीसी संचार विभाग के संयोजक अमिताभ दुबे, रिसर्च विभाग के चेयरमैन और प्रवक्ता आनंद माधव, कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, प्रवक्ता डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, डॉ मधुबाला, डॉ शशि सिंह, कुमार गौरव सहित सिविल सोसायटी के अनिल राय, अक्षय कुमार, सिस्टर डॉरथी, चंद्र भूषण, लीमा जॉर्ज, नवेंदु जी, रूपेश जी, डा महेंद्र यादव, रामाशीष रॉय, राजीव कुमार, सिस्टर डोरोथी फर्नांडीज, सुरेश कुमार, स्वप्न मजूमदार, प्रदीप प्रियदर्शी, तारकेश्वर सिंह, डॉ राधे श्याम, मधुर कुमार, अशोक प्रियदर्शी, धनंजय कुमार, विजय कांत सिंहा, उमांशंकर सहनी, अरशद अजमल, राकेश रॉय, अफजल अहमद, प्रमोद शर्मा सहित अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहें।

संक्षिप्त समाचार

राज्य सरकार मिथिला समेत पूरे बिहार के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्ध : हरि सहनी

पटना। बिहार सरकार के पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री हरि सहनी जाले विधानसभा क्षेत्र में आयोजित स्वागत एवं नागरिक अभिनंदन समारोह में नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश मिश्रा जी तथा राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी जी के साथ सम्मिलित हुए। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर एनडीए कार्यकताओं ने मंत्रिगण का गर्मजोशी से स्वागत किया। साथ ही, स्थानीय नागरिकों ने पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ अभिनंदन कर अपनी आशा और विश्वास को प्रकट किया। इस दौरान हरि सहनी जी ने कहा कि यह अपार जनसमर्थन और स्नेह हमें और अधिक ऊर्जा के साथ जनता की सेवा करने और क्षेत्र के समग्र विकास को गति देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार मिथिला समेत पूरे बिहार के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। श्री सहनी ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचे। उन्होंने कहा, ₹हमारी सरकार का संकल्प है कि क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाए, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएं और समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण हो।

रंगोत्सव कार्यक्रम में बही फगुआ की बयार और पारंपरिक और सांस्कृतिक गीतों एवम नृत्य की झलक

पटना। मृदंगम स्कूल ऑफ आर्ट्स के द्वारा होली मिलन का कार्यक्रम (रंगोत्सव) का आयोजन कुमहरार स्थित सरपंच वाटिका में आयोजित किया गया। जिसमें बड़े ही हर्षोल्लास के साथ युवक युक्ति ने होली के गीतों पर झूमते नजर आए तो वहीं बुजुर्ग भी ठंडाई और मालपुआ का आनंद लेते हुए रंग उत्सव का आनंद उठाए। रंगउत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा कला समिति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष वरुण सिंह एवं निर्देशिका नीलम कर्ण के द्वारा किया गया। होली मिलन कार्यक्रम में सांस्कृतिक और धार्मिक सद्भावना की झलक मिली। वहा उपस्थित जनसमूह केवल चंदन और फूलों की होली खेलते नजर आई साथ ही गीतों एवम नृत्यों में भी गांव की खुशबू,फगुआ का बयार और होली के सांस्कृतिक एवम पारंपरिक नृत्यों की ही झलक देखने को मिली जो होली की खूबसूरती को दर्शा रहा था। मिरदंगम स्कूल ऑफ आर्ट्स के निर्देशिका नीलम कर्ण ने आये लोगों को अबीर-गुलाल लगाकर होली की अग्रिम बधाई दी। इस बीच डि जे के साथ लोगों द्वारा होली गीत की प्रस्तुति की गयी। लोगों ने जमकर होली गाकर होली मिलन समारोह का आनंद लिया। इस मौके पर मृदंगम परिवार के हेमचंद कर्ण, पीयूष, मेधा कर्ण, तृशा कर्ण, नम्या, अमित राठौर, सन्नी सिन्हा, प्रणव एवं नमिता के साथ साथ कई गणमन लोग मौजूद हुए।

बिहार सिख फेडरेशन होला महल्ला मिलन समारोह मनाया

पटना। श्री गुरु तेग बहादुर एकेडमी हाल में बिहार सिख फेडरेशन के द्वारा होला महल्ला मिलन समारोह मनाया गया जिसकी अध्यक्षता बिहार सिख फेडरेशन के संस्थापक त्रिलोक सिंह निषाद ने किया मंच संचालन फेडरेशन के महासचिव सूरज सिंह ने किया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व महासचिव /सदस्य सरदार महेंद्र पाल सिंह ढिल्लों और तखत पटना साहिब के मुख्य कथावाचक ज्ञानी दलजीत सिंह जी ने श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज जी के द्वारा प्रारंभ की गई होला महल्ला के इतिहास के बारे में जानकारी दी इस आयोजन में पूर्व एसोसिएट सदस्य सरदार अमरजीत सिंह सचिव सरदार हरबंस सिंह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता समाजसेवी राजकुमार राजन जी प्रोफेसर इकबाल अहमद संजीव यादव , अंजलि पटेल पप्पू पटेल

मैं अपने विचार रखें संस्थापक त्रिलोक सिंह निषाद ने होला महल्ला पर प्रकाश डालते हो कहा कि श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज 1701 में आनंदपुर साहिब में सिखों के अनुरोध पर होला महल्ला का परंपरा प्रारंभ किया आज उनके आदेश का पालन करते हुए सिख समाज होला महल्ला फूलों और चंदन लगाकर मानते हैं और सद्भावना, भाईचारा, प्रेम का संदेश देते हैं आयोजन में आए हुए महिला पुरुष बच्चे सभी को फेडरेशन के तमाम पदाधिकारी और सदस्य फूलों की वर्षा करते हुए चंदन लगाकर अभिनंदन और स्वागत किया आए हुए अतिथियों को फेडरेशन के अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल महासचिव सूरत सिंह कोषाध्यक्ष संगठन मंत्री रणजीत सिंह उपाध्यक्ष शेर सिंह अधीक्षक दलजीत सिंह मुकुल आनंद हर-देव सिंह बाजवा भोला सिंह ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया महिलाओं को फेडरेशन के महिला सदस्य प्रमिला देवी पूजा कौर फूला देवी गुरमीत कौर प्रभादेवी ने फूलों की वर्षा कर चंदन लगाया आज के आयोजन में अजय यादव , विनोद यादव ओमप्रकाश मेहता चिन्नू मेहता लवली पटेल संदीप यादव सतनाम सिंह बग्गा राजेश सिंह आकली जगजीत सिंह गुरमीत सिंह अधिवक्ता पूरन सिंह महंत बजरंगी सिंह जोगिंदर सिंह रागी महाकांत राय पुपिंदर सिंह दविंदर सिंह दलजीत सिंह हरिनारायण सिंह धर्मजीत सिंह हरीभजन सिंह उमेश सिंह सुरेंद्र प्रसाद दिलीप महतो सुनील निषाद सरदार गुरजीत सिंह कोषाध्यक्ष रणजीत सिंह सरदार दमनजीत सिंह रानू मदन सिंह गायत्री देवी आयुषी कुमारी प्रमिला देवी पूजा कौर फूला देवी गुरमीत कौर प्रभादेवी शोभा कौर के अलावे सैकड़ो लोग शामिल हुए।

1236 नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र किया: मंत्री रत्नेश सदा

जमुई, नवशक्ति (प्रभाकर कुमार)। प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यालय अध्यापकों का औपबंधिक नियुक्ति पत्र वितरण समारोह तृतीय चरण के०के०एम० कॉलेज में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रत्नेश सदा, माननीय मंत्री, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार सरकारझसहझजिला प्रभारी मंत्री,के द्वारा 1236 नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।माननीय विधायक,श्री प्रफुल्ल मांझी, सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र विशिष्ट अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए तथा सम्मानित अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक मदन कुमार, उप विकास आयुक्त,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सम्मिलित हुए। इस समारोह की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी,श्रीमती अभिलाषा शर्मा के द्वारा किया गया,जिसमें मंच संचालन की भूमिका श्री पंकज कुमार सिंह ने निभाई।अंत में धन्यवाद ज्ञापन जिला शिक्षा पदाधिकारी ने किया गया। इस समारोह में शिक्षा विभाग के सभी जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,तथा शिक्षा विभाग के सभी कर्मी उपस्थित रहे।

बिहार में 16 प्रतिशत आरक्षण की चोरी भाजपा-नीतीश सरकार के द्वारा लगातार की जा रही है : तेजस्वी प्रसाद यादव

पटना। आज राष्ट्रीय जनता दल के तत्वाधान में राज्य कार्यालय के समक्ष आयोजित धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा की 17 महीने कि महागठबंधन सरकार ने 49.5% से आरक्षण सीमा को बढ़ाकर 65% किया था। और इसे केन्द्र की 9वीं अनुसूची में शामिल करवाने का प्रस्ताव महागठबंधन सरकार ने भेजा था। भाजपा और केन्द्र सरकार ने 10 महीने तक इसे 9वीं अनुसूची मे नहीं डाला और बाद मे केस में मामले को फंसाकर 16%आरक्षण से पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित, आदिवासी समाज को वंचित कर दिया गया। भाजपा नीतीश सरकार की आरक्षण चोरी के कारण पच्चास हजार के करीब नौकरीयों से लोगो का वंचित कर दिया गया है। इन्होने ने कहा की 65%आरक्षण के मामले मे माननीय सर्वोच्य न्यायालय में राष्ट्रीय जनता दल इस मामले पर वकील के माध्यम से पैनी निगाह बनाये हुए है। साथ ही हम सड़क से लेकर सदन तक इस मामले को लड़ रहे है और किसी भी कीमत पर आरक्षण खत्म नहीं होने देंगे। ये हमारा संकल्प और प्रण है। इन्होने कहा कि गाँधी मैदान में नियुक्ति पत्र देने का आईडीया हमारा था और आज उसी पर नकल करके मुख्यमंत्री जी 51389 नियुक्ति पत्र दिये है। लेकिन इस नियुक्ति पत्र में 16% के आरक्षण की हकमारी और चोरी हुई है। जिस कारण 8222 नौकरी से पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित, आदिवासी

के आरक्षण को डबल इंजन सरकार खा गई। यें इन वर्गो के साथ अन्याय है। इन वर्गो को न्याय दिलाने के लिए ही आज धरना रखा गया है। हम किसी भी कीमत पर तमिलनाडु के तर्ज पर 65% आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करवाने के लिए संघर्ष और आन्दोलन सड़क से लेकर सदन तक जारी रखेंगे। और 16% आरक्षण से वंचित नहीं होने देंगे। क्योंकी महागठबंधन सरकार ने बिहार में जातीय गणना कराकर जिसकी जितनी संख्या उसकी उतनी हिस्सेदारी तय की और बढ़ाकर 65% आरक्षण दिया। इन्होने कहा कि लगातार बी0पी0एस0सी0 अभियर्थियों के मामले पर न्याय दिलाने के लिए हमने दो-दो चिठ्ठी लिखी, लेकिन मुख्यमंत्री जी इसका कोई जवाब नहीं दियें। ऐसा लगता है कि उन्हे किसी से भी मतलब नहीं रह गया है। वह अपनी कुर्सी बचाने के जुगाड़ में लगे रहते है। 2023 में टी0आर0ई0-1 और 2 में महागठबंधन सरकार ने नियुक्ति पत्र गाँधी मैदान में दिया और टी0आर0ई0-3 का आज जो नियुक्ति पत्र नीतिश जी दे रहें है। वह हमारे ही कार्यकाल के समय का है। हमारें समय में 3.5 लाख नियुक्तियां जो बकाया थी, उसे ही आज ये लोग बाँट रहे हैं। इन्होने ने कहा की भाजपा आरक्षण चोर और आरक्षण खोर है। साथ ही संविधान लोकतंत्र विरोधी है और आरक्षण का विरोध इनकी पहचान रही है। बिहार में गरीबी, पलायन, मंहगाई पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। सिर्फ गरीबों, पिछड़ो, अतिपिछड़ो, दलितो, आदिवासियों, अल्पसंख्यको और महिलाओं पर अत्याचार करने वाली सरकार बिहार में चल रही है, तेजस्वी इन वर्गो के हक और अधिकार की लड़ाई मजबूती से लड़ेगा। राजद कार्यालय के समक्ष आयोजित धरना की अध्यक्षता पटना जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक दीना नाथ सिंह यादव ने कि जबकि संचालन पटना महानगर अध्यक्ष महताब आलम ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दिकी, राष्ट्रीय महासचिव श्री जय प्रकाश यादव, सासंद श्री संजय यादव, पूर्व मंत्री विजय प्रकाश, सुरेश पासवान, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश कुमार, मुजफ्फर हुसैन राही आदि मौजूद थे।

भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है होली पर्व :अरविंद कुमार सिन्हा

विजय प्रकाश उर्फ पिंनु

नूरसराय(नालंदा)(नवशक्ति)। नूरसराय प्रखंड के केवईडीह गांव में परविंदर इंटरप्राइजेज द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में हजारों लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन परविंदर इंटरप्राइजेज के निदेशक अरविंद कुमार सिन्हा एवं एचआर प्रवीण कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अरविंद कुमार सिन्हा ने कहा कि होली आपसी भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है। यह त्योहार हमारे जीवन में रंग और खुशियां भरता है, लेकिन आज के समय में इसकी गरिमा को बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में बढ़ रही दूरियों और मतभेदों को कम किया जा सकता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि हम सभी एक समान हैं और आपसी सौहार्द के साथ मिलकर त्योहार मनाना चाहिए।

परविंदर इंटरप्राइजेज के एचआर प्रवीण कुमार ने कहा कि होली हिंदू धर्म का महान पर्व है, जिसे प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे को रंग और अबीर लगाकर हम अपनी नफरतों को मिटा सकते हैं और समाज में एकता का संदेश दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं और समाज में प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जदयू के राष्ट्रीय महासचिव ई. सुनील कुमार ने कहा कि होली का पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है। यह पर्व हमें न केवल खुशियां मनाने का अवसर देता है, बल्कि समाज को जोड़ने और एक-दूसरे के प्रति प्रेमभाव बढ़ाने का भी

काम करता है। उन्होंने सभी से अपील की कि होली का पर्व मिल-जुलकर और प्रेमपूर्वक मनाएं। समारोह की रौनक तब और बढ़ गई जब भोजपुरी गायिका अंतरा सिंह ने अपने शानदार गीतों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने ₹मैं महाकाल की दीवानी हूँ₹ और ₹राजा जी बाल पकल जाता₹ जैसे लोकप्रिय होली गीत प्रस्तुत किए, जिसे सुनकर लोग झूम उठे और पूरा माहौल उल्लासमय हो गया। इस भव्य समारोह में डॉ. अजय कुमार, छोटे मुखिया, राकेश कुमार, नीरज सिंह, अमन सिंह, भोला प्रसाद, संजय यादव, बबलू कुमार, नीतीश महतो, विजय महतो, चंद्रशेखर, अशोक प्रसाद, सत्येंद्र प्रसाद, चिक्कू सिंह सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक सौहार्द का परिचय दिया।

इस होली मिलन समारोह के माध्यम से लोगों ने न केवल एक-दूसरे के साथ मिलकर होली का पर्व मनाया, बल्कि समाज में प्रेम और भाईचारे का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर अबीर-गुलाल लगाया और होली की शुभकामनाएं दीं।

यह आयोजन न केवल होली के रंगों से सराबोर रहा, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी बना। आयोजकों ने भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया ताकि समाज में सद्भाव और प्रेम बना रहे।

31 मार्च तक प्रदेश के सभी बूथों पर बीएलए की नियुक्ति पूरा करने का कांग्रेस ने लिया फैसला

पटना। आगामी विधानसभा चुनाव में अपना दमखम दिखाने की बिहार कांग्रेस की कबायद जारी है। इसी कड़ी में रविवार को पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में जिला अध्यक्षों की बैठक बुलायी गई जिसमें चुनाव के मद्देनजर जिला स्तर पर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया गया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने प्रदेश के सभी बूथों पर बीएलए की नियुक्ति जल्द पूरी करने की हिदायत दी। इसके लिए 31 मार्च की अंतिम तिथि सर्वसम्मति से निर्धारित की गई। मालूम हो कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में बूथ स्तर पर कमिटी बनाने की कबायद शुरू की गई थी जिसके लिए नये सिरे से जिला अध्यक्षों एवं प्रखंड अध्यक्षों की नियुक्ति की गई थी। लेकिन लोकसभा चुनाव के तैयारी की विवशता के कारण सभी बूथों पर बीएलए की नियुक्ति पूरी नहीं हो पायी

थी। इसी को ध्यान में रखते हुए आज की बैठक बुलाई गयी थी। जो जिला अध्यक्ष इस काम को पूरा कर चुके थे जैसे बेगूसराय, कैमूर आदि उनकी सराहना की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने चुनावी राजनीति में संगठन की धार को मजबूती देने के लिए बीएलए की नियुक्ति को आधारभूत जरूरत बताया। प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने 31 मार्च तक इस कार्य पूरा न होने पर अथवा खानापूर्ति की कोशिश पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की बात कही। बैठक में चुनावी रणनीति पर भी मंथन किया गया एवं जिला अध्यक्षों की परेशानिओं को दूर कर उन्हें हर सुविधा से लैश करने पर जोर दिया गया। बैठक में एआईसीसी के प्रभारी सचिव के रूप में शाहनवाज आलम एवं सुशील पासी भी मौजूद थे। प्रदेश के 40 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों के अलावा ब्रजेश पाण्डेय , कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़ बैठक में मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रभारी ने पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ चुनावी अभियान को धारदार बनाने पर किया विचार मंथन

पटना। कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में रविवार शाम बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह समेत शीर्ष नेताओं के साथ चुनावी अभियान को धारदार बनाने के उपायों पर विचार मंथन किया। बैठक में भाजपा की धार्मिक उन्माद फैला कर वोट बटोरने की साजिश को बेनकाव कर उसके काट की रूपरेखा तैयार की गई। इसके अलावा कांग्रेस के पक्ष में महौल बनाने के लिए उठाये जाने वाले कारगर कदमों पर चर्चा की गई। पार्टी के स्टार प्रचारकों का कहाँ-कहाँ और किस तरह इस्तेमाल किया जाय इस पर चर्चा की गई ताकि सर्वोत्तम परिणाम सुनिश्चित की जा सके। बैठक में भाग लेने वाले नेताओं ने पार्टी के पक्ष में महौल बनाने के लिए जरूरी मुद्दों को आक्रामक अंदाज में उठाने का सुझाव दिया। आम लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दे जैसे मंहगाई, बेरोजगारी, इन्दिरा आवास, बिजली आदि से संबंधित मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाने की बात पर सहमति बनी। इसके अलावा प्रदेश के हर जिले में अनवरत कार्यक्रम एवं रैली के जरिए कार्यकताओं में जोश भरने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित विधायकों ने प्रदेश इकाई के शीर्ष नेतृत्व से अपना चुनावी अनुभव साझा कर भाजपा-जदयू गठबंधन को शिकस्त देने की अपने प्रयासों की चर्चा की। बैठक में एआईसीसी के प्रभारी सचिव शाहनवाज आलम, सुशील कुमार पासी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रो0 राम जतन सिन्हा, एआईसीसी सचिव चन्दन यादव, पूनम पासवान, तौकीर आलम, कृपानाथ पाठक, शकील उज्जमा अंसारी, अवधेश कुमार सिंह, नरेन्द्र कुमार, प्रेमचन्द्र मिश्र, अजय निषाद, राजेश कुमार, समीर कुमार सिंह, बिजेन्द्र चैधरी, आनन्द शंकर, संतोष मिश्रा, छत्रपति यादव, प्रतिमा कुमारी दास, ब्रजेश पाण्डेय, निर्मल वर्मा, गरीब दास, सूरज यादव आदि मौजूद रहे।

जनजातीय समाज भारतीय संस्कृति और परंपरा का वाहकः दुगार्दास उइके

पटना। नई - दिल्ली अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय छात्र संसद का शुभारंभ आज ठक्टउ कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में हुआ। रविवार को जनजातीय छात्र संसद पूरे दिन चली, जिसमें देशभर के जनजातीय क्षेत्रों से आए 300 से अधिक जनजातीय छात्र सहभागी बने। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुगार्दास उइके, जनजातीय कार्य राज्य मंत्री उपस्थित रहे। इसके साथ विशेष उपस्थिति के रूप में अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी, अभाविप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. आशुतोष मंडावी, अभाविप के अ.भा. जनजाति छात्र कार्य प्रमुख श्री प्रमोद राउत, कार्यक्रम की सह संयोजक कु. पायल किनाके एवं अभाविप दिल्ली प्रांत की उपाध्यक्ष डॉ. सुमन मीणा व अभाविप दिल्ली प्रदेश के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समारोप सत्र में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान जी उपस्थित रहें।जनजातीय छात्र संसद में जनजातीय समाज की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं सशक्तिकरण पर मंथन किया गया। इस महत्वपूर्ण संसद सत्र में देशभर की 124 से अधिक जनजातियों का प्रतिनिधित्व रहा, जिसमें विशेष रूप से बैगा, सहरिया, मारिया, मोडिया जैसी अति पिछड़ी जनजातियों के छात्र भी अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं को लेकर मंच पर उपस्थित हुए। जम्मू-कश्मीर से लेकर तमिलनाडु के विभिन्न जनजातीय क्षेत्र जैसे रजौरी, छोटा नागपुर, बासवाड़ा, बस्तर, गढ़चिरौली, नंदुरबार समेत विभिन्न वनवासी क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों ने शिक्षा और सरकारी योजनाओं की उपलब्धता एवं उनके क्रियान्वयन को लेकर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जनजातीय छात्र समुदाय की शिक्षा एवं रोजगार की स्थिति, स्वाभिमान और देश की विकास यात्रा में जनजाति समाज की भूमिका, तथा लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित

किए गए। इन सत्रों में छात्रों ने यह भी चर्चा की कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही छात्रवृत्ति, आवासीय विद्यालय, कौशल विकास कार्यक्रम जैसी योजनाएँ जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी हैं और इन्हें और कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के चौथे सत्र में ₹लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में युवाओं की भूमिका₹ विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें आईएएस अधिकारी श्री सरोज कुमार ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में युवाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जागरूक युवा न केवल योजनाओं की निगरानी कर सकते हैं, बल्कि उनके सफल कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी भी निभा सकते हैं। केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुगार्दास उइके ने अपने संबोधन में अभाविप के जनजातीय कार्य द्वारा किए जा रहे प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जनजातीय समाज के उत्थान और उन्हें जागरूक करने के कार्य में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही है। जनजातीय समाज केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का वाहक है। हमारी प्राचीन गुरु-शिष्य परंपरा सामाजिक समरसता का सर्वोत्तम उदाहरण थी, जहाँ ज्ञान केवल सूचनाओं का संकलन नहीं, बल्कि सूक्ष्म से विराट की यात्रा का माध्यम था। हमें अपनी बोली, खान-पान, रीति-रिवाज और परंपराओं पर गर्व करना चाहिए, क्योंकि हमारी संस्कृति अरण्य प्रधान संस्कृति रही है और जनजातीय समाज आज भी इस सनातन परंपरा का संवाहक बना हुआ है। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि प्राचीन काल में आचार्य चाणक्य ने जनजातीय समाज को संगठित कर राष्ट्रहित में एकजुट किया और घनानंद के अहंकार को ध्वस्त किया। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज का नेतृत्व करते हुए अपनी निर्णायक भूमिका निभाई। आज भी राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ जनजातीय समाज को भ्रमित करने का षड्यंत्र कर रही हैं, ऐसे में यह आवश्यक है कि हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करें और वैचारिक मंथन एवं संघर्ष के माध्यम से हर चुनौती का सशक्त उत्तर दें। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदैव समाज के हर वर्ग के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रहा है। जनजातीय समाज भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग है और इन समुदायों का उत्थान ही राष्ट्र की प्रगति का आधार है। आज का यह सत्र सिद्ध करता है कि देश का युवा केवल अपनी शिक्षा तक सीमित नहीं बल्कि समाज के व्यापक हितों पर भी चिंतन कर रहा है। इस छात्र संसद में दिए गए सुझावों को संकलित कर सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे आने वाले समय में नीतिगत निर्णयों में छात्र समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। 10 मार्च को छात्रा संसद और 11 मार्च को पूर्वोत्तर छात्र संसद आयोजित होंगे, जिनमें देशभर के छात्र शिक्षा, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर संवाद करेंगे।

जदयू ने प्रदेश प्रवक्ता के साथ बनाया मीडिया पैनल

पटना (बृजेश गोस्वामी)। बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड ने विधानसभा चुनाव से पूर्व पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिये प्रदेश प्रवक्ता के साथ पांच मीडिया पैनलिस्ट मनोनीत किया है । प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने अपने पत्रांक 136/25 जारी कर अजीत पटेल को प्रदेसग प्रवक्ता व ख्याति प्राप्त चिकित्सक डॉ मधुरेन्द्र पांडे, जीजस एंड मेरी अकेडमी की निदेशिका पूजा एन शर्मा , महेश दास, किशोर कुणाल और मो-अकबर अली को मीडिया पेनल में रखा है। पार्टी ने सभी से आशा रखी है कि मनोनयन के पश्चात सभी पार्टी के मजबूती के लिये उसके शिद्धान्त एयर विचार धारा को जन जन तक पहुँचायेगे।

पटना साहिब में चंदन और फूलों के साथ भाजपाइयों ने खेली होली

पटना सिटी। पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र में बिहार विधानसभा अध्यक्ष सह स्थानीय विधायक नंदकिशोर यादव द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में चंदन और गुलाब के पंखुड़ियों से होली खेली गई। यह कार्यक्रम पटना सिटी कोर्ट के पास स्थित जालान भवन में आयोजित की गई। कार्यक्रम में सम्मिलित होने आए सभी आगंतुकों का स्वागत बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री नंदकिशोर यादव ने चंदन लगाकर और गुलाब की पंखुड़ियां छिड़क कर किया। कार्यक्रम में लजीज व्यंजन के साथ साथ संस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। इस कार्यक्रम में बिहार भाजपा के प्रदेशअध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने उपस्थित मीडिया कर्मी को संबोधित करते हुए कहा कि पटना साहिब विधानसभा के अध्यक्ष श्दकिशोर यादव विधानसभा के सभी नागरिकों के बीच लोकप्रिय है वो हर पल क्षेत्र के विकास के प्रति लगे रहते हैं। पटना सिटी के सभी धर्मों के लोग होली एवं अन्य त्यौहार मिलजुल कर मनाते है। कार्यक्रम में बिहार सरकार में पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद, दीघा से विधायक संजीव चौरसिया,वाणिज्य मंच के सह संयोजक नितिन कुमार रिंकू,प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा, मेयर प्रतिनिधि शिशिर कुमार सभी मंडल अध्यक्ष,जिला पदाधिकारी, गणमान्य लोग सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

बिहारी जी मिल्स में स्याम फाल्गुन महोत्सव शुरू, शोभा यात्रा कल

पटना सिटी। श्री श्याम मंदिर सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 21 वा रंग रंगीला फागुन महोत्सव का आयोजन स्थल श्री बिहारी जी मिल्स मैं खाटू वाले श्री श्याम प्रभु का भाव अलौकिक श्रृंगार अखंड ज्योति निशान उत्सव 56 भोग अपने आप में अलग छटा बिखरे रहा था आचार्य घनश्याम बाबा पंडित वरुण शर्मा की देख रेख में मुख्य यजमान दिलीप डीडवानिया रेनू डीडवानिया जोड़े के साथ पूजा अर्चना प्रारंभ किया बाबा श्री श्याम को रोली अक्षत चंदन पुष्प इत्र के साथ पूजा अर्चना की गई भजन संध्या मे जयपुर के मनोज पारिख एवं नीलम बारोलिया द्वारा भजनों की रस गंगाबहाई गई नृत्य नाटिका झांकी के साथ रात भर भक्त झूमते और नाचते रहे दरबार में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव सहित बिहार सरकार के अनेक मंत्री प्रशासनिक पदाधिकारी ने हाजिरी लगाई बाबा के भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया कार्यक्रम के संयोजक मनीष हरलालका कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल ने बताया कि कल प्रातः निशान पूजन के साथ एक विशाल निशान शोभायात्रा श्री बिहारी जी मिल से निकलक राजा बाबू गली स्थित श्री श्याम मंदिर में समाप्त होगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आसा पार्टी ने अंतरराष्ट्रीय कवयित्री अंकिता सिन्हा को किया सम्मानित

संजय कुमार

बिहारशरीफ(नवशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को आप सब की आवाज (राष्ट्रीय) पार्टी द्वारा आयोजित सम्मेलन सह होली मिलन समारोह के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय, मुस्तफापुर गिरिजा धाम में शामिल होने पहुंची अंतरराष्ट्रीय कवयित्री अंकिता सिन्हा का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके उपरांत, बिहारशरीफ स्थित पार्टी के नारी शक्ति प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष प्रगति आनंद के कार्यालय कक्ष में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें गुलदस्ता एवं अंगवस्त्र (साल) भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रगति आनंद ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कविताओं से ख्याति प्राप्त करने वाली कवयित्री अंकिता

सिन्हा का नालंदा की पावन धरती पर आगमन पूरे जिले के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से महिलाओं के प्रति सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश दिया जा रहा है। सम्मान पाकर भावविभोर हुईं अंकिता सिन्हा ने कहा कि नालंदा की धरती ऋषि-मुनियों और विद्या की भूमि रही है और यहां आकर मैं स्वयं को धन्य महसूस कर रही हूं। उन्होंने इस दौरान अपनी एक प्रेरणादायक कविता प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। उनकी कविताओं में महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों की झलक साफ नजर आई। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रियदर्शी अशोक, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंहा सहित महिला प्रकोष्ठ के कई सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महिला दिवस के अवसर पर आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन

पटना। नवभारती सेवा न्यास के तत्वावधान में दिनांक 09/03/2025 दिन- रविवार को महिला दिवस के अवसर पर आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन राइजिंग हार्ट एकेडमी, फुलवारी शरीफ पटना के सभागार में सुबह दस बजे से दो बजे तक दिया गया। इस अवसर पर फुलवारी शरीफ की लड़कियों को प्रशिक्षिका नेहा द्वारा सचेत रहने एवं सुरक्षात्मक प्रणाली को जानने, सीखने एवं अपने जीवन का अंग बनाने की प्रेरणा दी गयी।

इस अवसर पर संस्था की सचिव प्रीति सुमन ने बच्चियों को अपने वक्तव्य द्वारा सतत आगे बढ़ते रहने का संदेश देते हुए कहा कि नारी स्वयं में असीम शक्ति है। वो जो चाहे कर सकती है अतः दुनिया उसकी झूठी कमजोरी दिखाना बंद करे और नारीत्व का सम्मान करें। स्कूल की प्रधानाध्यापक तनुजा कुमारी ने लड़कियों को संबोधित करते हुए

कहा कि आधुनिक युग में सभी लड़कियों को शिक्षित और सशक्त होना बहुत जरूरी है। संस्था द्वारा लड़कियों को दिया गया यह प्रशिक्षण सराहनीय है। विद्यालय के निदेशक संजीव कुमार सुमन ने इस महती आयोजन के लिए संस्था की भूरी - भूरी प्रशंसा की एवं ऐसे आयोजन भविष्य में भी करवाने का अनुरोध किया। कवि संजीव सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की तरफ एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले कुछ महत्वपूर्ण अतिथि - प्रियंका सिंह, खुशबू सिंह, खुशबू सिन्हा, शैली गुप्ता, रितु कुमारी, श्वेता रानी, आर्या पाठक, सुषमा कुमारी, प्रियंका कुमारी आदि। कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाली कुछ महत्वपूर्ण छात्राएं - सौम्या कुमारी, श्रेया कुमारी, दीक्षा कुमारी, ऋचा कुमारी, सरस्वती कुमारी, आयुषी कुमारी, पूजा कुमारी, श्रेया कुमारी, श्रीति श्री, आराधना कुमारी, साक्षी कुमारी, मुस्कान कुमारी, तन्वी कुमारी, रितिका कुमारी, माही कुमारी आदि।

कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में रंगों के साथ घुला आपसी प्रेम और सौहार्द

प्रेम कुमार

बिहारशरीफ(नवशक्ति)। आज रविवार को कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन एलीट गार्डन रेस्टोरेंट, बिहारशरीफ के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायियों, उद्योगपतियों और संगठन के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और परस्पर प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ होली मनाने का संदेश दिया।

समारोह का शुभारंभ चैंबर के अध्यक्ष अनिल कुमार अकेला के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आग्रह किया कि होली का त्योहार जाति, धर्म और भेदभाव से ऊपर उठकर परस्पर प्रेम और सौहार्द के साथ मनाया जाए। कार्यक्रम के दौरान संगठन के महासचिव जवाहर लाल गांधी एवं दीपक जी ने भी अपने ओजस्वी संबोधन से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस बीच संगठन के सदस्य रंजीत कुमार ने भी सभी से आग्रह किया कि सभी आपसी मतभेद भुलाकर प्रेम पूर्वक होली का त्योहार मनाएं। कार्यक्रम में विशेष

आकर्षण के रूप में बाहर से आए फनकारों द्वारा प्रस्तुत गीत-संगीत रहा, जिस पर उपस्थित लोग झूमने को मजबूर हो गए। सभी ने उत्साह और उमंग के साथ गीतों का आनंद लिया और एक-दूसरे को होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के सफल संचालन में परियोजना निदेशक राजकुमार प्रसाद का विशेष योगदान रहा। उन्होंने पूरे कार्यक्रम को संयम और उत्साह के साथ संचालित किया। इस मौके पर शहर के जाने-माने व्यवसायी और उद्योगपति सुशील कुमार, पंकज सिंह, नीलेश कुमार, शिवकुमार गुप्ता, रंजय सिंह, विपिन कुमार सिन्हा, रणवीर कुमार सिन्हा, दीपक कुमार, सच्चिदानंद प्रसाद, चंदन मेहता, शिवनंदन प्रसाद, सुरेश प्रसाद, सुनील कुमार, विशाल आनंद, बबलू कुमार, विनय कुमार झंकार, कुणाल वर्मा, संजोग कुमार, संजीत गुप्ता, विकास गुप्ता, विवेक सागर, मुकेश मोदी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में रंजीत कुमार ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और होली के त्योहार को प्रेम, भाईचारा और सौहार्द के साथ मनाने का संदेश दिया। समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

नव शक्ति समाचार पत्र मैं प्रकाशित सामग्री को मौलिक समझकर छापा जाता है। अतः कॉपीराइट संबंधी कोई कार्रवाई संपादक, प्रकाशन एवं मुद्रक पर नहीं की जा सकती है। दावा करने वाले रचनाकर और चित्रकार से संपर्क करें। समस्त विवादों का निपटारा पटना उच्च न्यायालय क्षेत्रान्तर्गत होगा। प्रधान कार्यालय: कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़ पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना-800023 संपादक प्रकाशक - मुद्रक एवं स्वामी: जयप्रकाश चौधरी, कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़, पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना द्वारा एसेन कम्यूटर, डा.एनी बेसेन्ट रोड, पटना-4 से मुर्दित। सम्पर्क नम्बर: 9473032029, 9939472461 ईमेल- navshakti2010@gmail.com RNI-BIHHIN/2012/43368

लगभग 70 सालों के संघर्ष के बाद हमें मिला महिला दिवसः रागिनी रंजन

पटना। 1908 में महिलाओं ने अमेरिका में अपने हित के लिए संघर्ष शुरू किया था। इस आंदोलन के जरीए उन्होंने अपने लिए कई मांगें रखी थी। इनमें से एक था वोट देने का अधिकार। दिन बीतने के साथ-साथ यह संघर्ष लंबा, बड़ा और ताकतवर होता गया। तब कहीं जाकर 1977 में 8 मार्च के दिन उन्हें उनका हक मिला, और तब से इसी दिन प्रत्येक वर्ष अंतरारष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाने लगा। ये बातें गलोबल कायस्थ कांफ्रेस की प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन ने कही।

श्रीमती रंजन जीकेसी द्वारा आयोजित महिला दिवस सह सांस्कृतिक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि यह सच है कि आज भी हम बराबरी की लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन यह भी सच है कि पुरूषों ने भी हमारा कम साथ नहीं दिया है। महिलाओं की बड़ी बड़ी उपलब्धियों में कहीं न कहीं पुरुषों का हाथ और साथ तो होता ही है। कभी पिता बन कर तो कबी भाई बनकर और फिर पति और पुत्र बन कर ये हमारे साथ खड़े होते हैं और हमारी सफलता के सहभागी भी बनते हैं। इसलिए हमें भी उनका सम्मान करना चाहिए। इसके पहले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस (जीकेसी) द्वारा पटना स्थित रायल गार्डेन में आयोजित महिला दिवस के भव्य आयोजन की शुरूआत भगवान चित्रगुप्त जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद औपचारिक उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही संगठन की प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर ग्लोबल उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक कुमार

अभिषेक ने कहा कि पुरुषार्थ का ही एक हिस्सा है महिलाओं को सम्मन देना। कोई भी पुरुष महिला के बिना अधूरा ही माना जाता है। इसलिए हम सबका दायित्व बनता है कि अपने परिवार में और समाज में हम महिलाओं को सम्मान दें और उन्हें प्रोतसाहित करें। जीकेसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. नम्रता आनन्द ने कहा कि हम महिला हैं, हम पुरुषों का सम्मान करते हैं। और बस हम भी ये ही चाहते हैं कि पुरुष भी हम महिलाओं का सम्मान करें। खुशी इस बात की है की स्थितियाँ हमारे पक्ष में धीरे धीरे ही सही लेकिन बदल रहीं हैं। इसके बाद सुप्रसिद्ध गायिका रूपाली दास टुम्पा के गायन से सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत हुई। डाली सिंहा, निशा परासर, डा नम्रता आनंद, शबनम कुमारी, डा.भवानी शारदेय, सहित कई कलाकारों ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। महिला दिवस के इस अवसर पर कई 30 अलग अलग महिलाओं को उनके विशिष्ट योगदान के लिए ₹जीकेसी नारी सशक्तिकरण सम्मान₹ से सम्मानित किया गया। इस मौके पर जीकेसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मुकेश महान, प्रदेश महासचिव संजय कुमार सिन्हा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष निलेश रंजन, विजय लक्ष्मी, रंजना कुमारी, रचना कुमारी, राकेश मणि, नेहा मणि, राहुल मणि, नुतन बक्षी, सोनाक्षी प्रिया, कामिनी कुमारी, दुर्गेश सिन्हा, अभिषेक श्रीवास्तव, मोहन कुमार, अनिता कुमारी, रणधीर वर्मा, रविशंकर प्रसाद सिन्हा, शिखा स्वरूप, कानन लक्ष्मी, हर्षवर्धन प्रियदर्शी, दिवाकर वर्मा, निहारिका अखौरी प्रसून कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया

फुलवारी,(संवाददाता)। फुलवारी विधानसभा क्षेत्र पटना अन्तर्गत फतेहपुर गांव में पंचायत अध्यक्ष राजद नौलेश कुमार यादव के नेतृत्व में और राजद फुलवारी प्रखण अध्यक्ष श्रवण यादव जी के अध्यक्षता में होलीमिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें फुलवारी विधानसभा क्षेत्र के उदय मांझी राजद पूर्व विधायक फुलवारी पटना और पूर्व अध्यक्ष राज्य महादलित आयोग बिहार सरकार पटना के साथ साथ अरुण कुमार सिंह फुलवारी विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी हरिनारायण यादव मुन्ना यादव पंचायत अध्यक्ष राजकिशोर गुप्ता पंचायत अध्यक्ष वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र यादव लालबहादुर यादव लालाबाबू यादव भाई भारत जी ध्रुव यादव जी दिनेश रजक ओर दिनेश पासवान जी अशर्फी मांझी दीपक मांझी जिलापरिषद सदस्य ज्योति देवी प्रखंड प्रमुख संजय यादव मंटु यादव जी पिंटू जी इत्यादि सैकड़ों महागठबंधन के कार्यकर्ता औढ

पदाधिकारी उपस्थित हुए उदय मांझी ने कहा कि यह होली मिलन समारोह आयोजित कर पूरे देश दुनिया और बिहार भर में स्नेह प्यार भाई चारे हसीं खुशी का संदेश लाल गुलाबी हरा अबीर एक दूसरे को लगा कर प्यार भरा संदेश फुलवारी विधानसभा क्षेत्र पटना के फतेहपुर से नॉलेश जी के द्वारा दिया गया और उदय मांझी यह भी कहा कि इस बार आर पार की लडाई है सभी गरीब गुरबा दलितों अकलियतों किसानों पिछड़ा अतिपिछड़ों ओर मुसहर भुइयां समुदाय मिल कर इस बार तेजस्वी सरकार बनाना है इस बार तेजस्वी सरकार बनाना है और 8 अप्रैल 2025 को मुसहर भुइयां महरौली श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में कराकर सभी जिन्नों को एकत्रित कर राजद सुप्रीमो गरीबों के मसीहा लालू प्रसाद यादव जी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव जी पाटलिपुत्र सांसद डॉ मीसा दीदी जी राज्यसभा सांसद संजय यादव जी और राजद पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव जी के हाथों को मजबूत करना है और इस बार तेजस्वी सरकार 2025 में बनाना है इस बार तेजस्वी सरकार इस बार तेजस्वी सरकार।

महिलाओं के साथ भेदभाव वैश्विक सच्चाई है और इससे भारतीय समाज भी अछूता नहीं है

पटना। महिलाओं के साथ भेदभाव वैश्विक सच्चाई है और इससे भारतीय समाज भी अछूता नहीं है। जब हम भारत के सबसे वंचित एवं गरीब मुसहर समाज की बात करें, तो महिलाएं अमानवीय परिस्थितियों में जीने को मजबूर हैं। हिंसा, गरीबी, असमानता, तिरस्कार, भेदभाव, अशिक्षा और शोषण दलितों एवं विशेषकर मुसहर महिलाओं की नियति बन गई है। संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार और सम्मानजनक जीवन का अधिकार भी उनके लिए अर्थहीन है। आजादी के 77 साल बाद भी मुसहर समुदाय मुख्यधारा से कोसों दूर है। उनकी स्थिति में सुधार लाना न केवल सरकार की जिम्मेदारी है, बल्कि समाज का नैतिक कर्तव्य है। नारी गुंजन के इस महिला दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिंसा, गरीबी, असमानता और अशिक्षा को समाप्त कर समानता पर आधारित समाज की स्थापना करना है। भेदभाव से मुक्त, सम्मानपूर्ण जीवन के लिए संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने हेतु नारी गुंजन महादलित मुसहर महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्षरत है। जब तक यह संभव नहीं होता, तब तक हमारा प्रयास जारी रहेगा। इस क्रम में गांधी मैदान, पटना में ₹नारी अधिकार यात्रा₹ निकाली गई; जिसमे दानापुर, पुनपुन, नौबतपुर, बिहटा, फुलवारी शरीफ, मनेर, मसौढ़ी, फतुहा, खगड़िया, गया एवं पटना सदर की पाँच हजार से भी अधिक महिलाएं उत्साह के साथ भाग ली। यात्रा जेपी गंगा पथ/गांधी मैदान से शुरू हुआ एवं बापू सभागार पहुंचा। सुधा वर्गीज के नेतृत्व में निकाले गए अधिकार यात्रा का उद्देश्य हिंसा, गरीबी, असमानता, अशिक्षा को समाप्त करते हुए बराबरी पर आधारित समाज बनाना है। बापू सभागार, पटना में 'नारी सम्मान सभा₹ का आयोजन किया गया। इस वर्ष के कार्यक्रम की थीम थी : ₹हिंसा, गरीबी, असमानता, अशिक्षा मिटाएं बराबरी पर आधारित समाज बनाएं। कार्यक्रम में अशोक चौधरी, मंत्री, भवन निर्माण विभाग, बिहार सरकार, नीतीश मिश्रा, मंत्री, उद्योग विभाग, बिहार सरकार, राहुल कुमार, विशेष सचिव, वित्त विभाग, नरेंद्र कुमार एससी/एसटी फेडरेशन, बिहार, डॉ मुंशी प्रसाद विजय प्रकाश कुमार समेत और भक्तों ने भी अन्य वक्ताओं अपने विचार प्रकट किया। उक्त अवसर पर अशोक चौधरी जी ने दलितों का विकास के मुख्य धारा में जुड़ने का आहवान करते हुए अपने स्तर से यथासंभव विभिन्न प्रकार की योजनाएं का वादा किया इस अवसर पर उद्योग मंत्री ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना समेत विशेषकर महिलाओं के लिए चलाई जाने वाले सारे योजनाओं को विस्तृत में बताते हुए ग्रामीण महिलाओं को रोजगार उन्मुख प्रयास करने को कहा उन्होंने अपने विवाह के स्तर से हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। नरेंद्र कुमार एससी एसटी फेडरेशन बिहार ने प्रधानमंत्री आवास योजनाओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए दोनों बिहार के मंत्रियों से प्रार्थना की, की इन वर्गों को प्रधानमंत्री आवास योजना का अविलंब लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए योजना को प्रभावी ढंग से करने के लिए उन्होंने मांग की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भूमिहीनों को फ्लैट बनाकर आवंटित किए जाने का एक भी कार्य बिहार राज्य में नहीं किया गया है जबकि अहमदाबाद, उत्तर प्रदेश समेत देश के अन्य जगहों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इन पशु जैसे जिंदगियों को जीने वाले को फ्लैट उपलब्ध कराया गया है। बापू सभागार, पटना में कई विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट लोगों ने महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। नारी गुंजन, प्रेरणा छात्रावास की छात्राओं द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करनेवाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया, जिसमें कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले विश्व कराटे चैंपियन ललिता देवी, महिला थाना के अपर थाना अध्यक्ष कुसुम भारती, काउंसलर सीमा कुमारी, रंजू देवी, रागिनी कुमारी, स्मिता कुमारी आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नारी गुंजन की संघर्ष यात्रा से संबंधित फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। साथ ही छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया, जिसमे छात्राओं का योगा डांस एवं मार्शल आर्ट का प्रदर्शन विशेष आकर्षण रहा। इसके अतिरिक्त नारी गुंजन के क्षेत्र स्तर के योजनाओं के प्रतिभागियों द्वारा भी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। आगत अतिथियों द्वारा सभा को संबोधित भी किया गया ₹हिंसा, गरीबी, असमानता और अशिक्षा को समाप्त कर समानता पर आधारित समाज की स्थापना तक नारी गुंजन के संघर्ष करते रहने का आश्वासन पद्मश्री सुधा दीदी द्वारा दिया गया। सभी अतिथियों द्वारा महिलाओं के जज्बे को सलाम किया गया। इस कार्यक्रम के सभी हितधारकों का अभिवादन किया गया एवं इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नारी गुंजन परिवार एवं सभी प्रायोजकों के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया गया। सभी आगन्तुको द्वारा नारी गुंजन के प्रयासों की सराहना की गई एवं इस उद्देश्य के लिए समर्थन भी दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित मीडिया कर्मियों का भी अभिवादन किया गया।

युवा निर्माण से ही होगा देश का विकास : गंगा प्रसाद

पटना। देश का निर्माण बड़ी - बड़ी भवनों और कल - कारखानों से नहीं होगा, बल्कि युवाओं के निर्माण से होगा। देश की विशाल युवा आवादी हमारे लिए एक अवसर है, जिसमें सरकारी तंत्र के साथ ही साथ निजी संस्थाओं व सामाजिक संगठनों की बड़ी भूमिका है। समाज के गरीब और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सिविल सेवा की तैयारी कराने वाले अभियान - 40 (आईएएस) युवा निर्माण के लिए काम कर रहा है और युवा निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होगा।

ये बातें रविवार कंकड़बाग टेम्पू स्टैंड के निकट स्थित अभियान -40 (आईएएस) के नए भवन परिसर के उदघाटन के मौके पर सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कही।

इस कार्यक्रम में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति

प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह, भू राजस्व विभाग के सचिव गिरिवर दयाल सिंह, प्रो. आरएन दिवाकर, सेवानिवृत्त आईपीएस चन्द्रिका प्रसाद, डीएसपी अरुणोदय पांडेय, ल पीएमसीएच के डॉ. अरुण कुमार शर्मा, डॉ. सुनीता समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए।

पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ-) रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि पैसे से समाज और राष्ट्र का निर्माण नहीं होता, बल्कि राष्ट्र का निर्माण ज्ञान और विज्ञान से होता है। उन्होंने कहा कि अभियान - 40 (आईएएस) उसी दिशा में कार्य कर रहा है। संस्थान के द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की।

इससे पहले संस्थान के निदेशक बिलास कुमार ने अतिथियों को जीबीआरडीएफ के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा पटना, लखनऊ तथा दिल्ली में अभियान - 40 (आईएएस) नाम से निःशुल्क कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे समाज के गरीब एवं प्रतिभाशाली बच्चों को सिविल सर्विसेज की तैयारी कराई जाती है। आज यहां से निकले हुए सैकड़ों छात्र - छात्राएं देश भर में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं। फाउंडेशन के द्वारा लोगों के बीच स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता लाने का भी कार्य किया जा रहा है। फाउंडेशन अपने सामाजिक दायित्वों को समझते हुए इस दिशा में और भी कई कार्य करने की योजनाएं बना रहा है। इसके तहत आने वाले दिनों में गरीब बच्चों के लिए बारहवीं तक की स्कूल की स्थापना, युवाओं में संगीत के प्रति रूझान पैदा करने एवं इस दिशा में बेहतर कैरियर बनाने के उद्देश्य से शास्त्रीय गायन, नृत्य, तबला वादन, गिटार वादन सीखाने के लिए संगीत विद्यालय की भी स्थापना करने की योजना है।

पीएम मोदी ने स्वच्छता को विकास का मूल मंत्र बनाया: मंगल पांडेय

पटना। भारतीय शहरों में स्वच्छता का समाजशास्त्र - विकसित भारत 2047 का संकल्प विषय पर सुलभ इंटरनेशन सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय उपस्थित रहें और इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विकसित भारत केवल आर्थिक समृद्धि का पर्याय नहीं है, जब स्वच्छ, समावेशी व सशक्त समूहों का निर्माण होगा तभी विकसित भारत की कल्पना साकार होगी। जहां हर नागरिक को गरिमामय, स्वच्छता व उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वच्छता अभियान में पद्म भूषण डॉ. विंदेश्वर पाठक के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने बिहार की धरती से संपूर्ण देश को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने स्वच्छता को केवल शौचालय तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे मानव गरिमा से जोड़ा व आम जन-जीवन तक पहुंचाने का कार्य किया। डॉ. पाठक के प्रयासों के कारण ही स्वच्छता को एक सामाजिक आंदोलन का रूप मिला, जिससे करोड़ों लोगों का जीवन बेहतर हुआ। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी व माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने हमेशा उनके प्रयासों की प्रशंसा की है।श्री पांडेय ने कहा कि हाल के दिनों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत अभियान के तहत 13 करोड़ शौचालय बनवाएं गए हैं। आज देश के सभी घरों में शौचालय बनवाएं जा चुके हैं। वहीं वायुमंडल को ठीक रखने के लिए वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखने की जरुरत है।

विदेश में बैठकर झारखंड में अपराधिक गिरोह चला रहे अपराधियों पर नकेल कसे राज्य सरकारः प्रतुल शाह देव

जेलों में अभी तक 2 जी जैमर के लगे होने के कारण अपराधी जेल से साम्राज्य चला रहे हैं

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने विधि व्यवस्था की गिरती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से मांग की है कि वह विदेश में बैठकर झारखंड में आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे अपराधियों पर नकेल कसे। हाल के दिन में झारखंड के 6 - 7 जिले, जहां कोयला का प्रोडक्शन और ट्रांसपोर्टेशन होता है,वहां अपराधिक घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है।लेवी और एक्सटॉर्शन के चलते विदेश में बैठे अपराधी झारखंड में अपने गुर्गों से घटनाओं को अंजाम देकर दहशत पैदा करते हैं। हजारीबाग में 2 वर्ष पूर्व भी कोयला से जुड़ी एक कंपनी के जी एम की हत्या कर दी गई थी।अब एनटीपीसी के डीजीएम की हत्या हुई। रांची के भीड़ भाड़ वाले इलाके में कोयला व्यापारी पर हमला होता है। उसके अतिरिक्त अपराधी अलग जिलों में कोयला साइडिंग पर लगातार गोली चला कर दहशत फैला रहे हैं।

प्रतुल ने कहा आज के दिन में संगठित अपराध पुलिस के लिए झारखंड में नक्सलवाद की तरह बड़ी समस्या बन गई है। संगठित आपराधिक गिरोह झारखंड में लगातार पैर फैला रहे हैं।अब यह नक्सलवाद की तरह पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं।प्रतुल ने कहा कि आलम ये है कि कई जिलों में कोयला कंपनी से जुड़े अधिकारी बुलेट प्रूफ वाहनों से सफर करते हैं।अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वह घटना को अंजाम देने के बाद फेसबुक पर लिखकर घटना की जिम्मेवारी लेकर भविष्य के लिए चेतावनी भी देते हैं। प्रतुल ने कहा कि अगर राज्य सरकार एक सुनियोजित प्लान के तहत संगठित गिरोह का खात्मा नहीं करेगी तो झारखंड की स्थिति भयावह हो जाएगी। प्रतुल ने कहा कि झारखंड पुलिस की वेबसाइट के अनुसार अबुआ सरकार के पहले महीने में ही 5207 संज्ञेय अपराध हुए जो की चिंता का विषय है।

सड़क दुर्घटना में सहायक अध्यापक का आकस्मिक निधन

दुमका / प्रियव्रत झा। शिकारीपाड़ा प्रखण्ड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मनियाचुआँ में कार्यरत सहायक अध्यापक सुरेंद्र सोरेन का कल शनिवार को सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया। बताते चलें कि कल शनिवार को सुरेंद्र सोरेन अपनी बाइक से शिकारीपाड़ा से विद्यालय मनियाचुआं जा रहे थे। शिकारीपाड़ा में पेट्रोल पंप के समीप एक तेज गति से आती हुई हाईवा ने उसे सामने से ठोकर मार दिया। घायल अवस्था में उसे दुमका सदर अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसके बेहतर इलाज के लिए सिउड़ी पश्चिम बंगाल रेफर किया सिउड़ी सदर अस्पताल में इलाज के दौरान सुरेंद्र सोरेन 46 वर्ष की मौत हो गई। सुरेंद्र सोरेन अपने पीछे अपनी पत्नी व्रतमती हासदा 40 वर्ष और दो पुत्र सुजीत सोरेन 17 वर्ष सुमित सोरेन 10 वर्ष और दो पुत्री पूनम सोरेन 15 वर्ष तथा

नेहा सोरेन 11 वर्ष अपना पूरा भरा परिवार छोड़ कर गए हैं। सुरेंद्र सोरेन मात्र एक व्यक्ति इस परिवार का कमाने वाला सदस्य था। अब इनके बाद इन बच्चों का पढ़ाई लिखाई और भरण पोषण भगवान के भरोसे ही रह गया है। आज प्रखंड और जिला के प्रतिनिधि उसके आवास पर उसको श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे संघ ने इसके निधन से काफी शोक प्रकट किया है। मौके पर उपस्थित प्रखंड सचिव खलील अंसारी ने बताया कि सुरेंद्र सोरेन की मौत एक अपूरणीय क्षति है इसकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रकीब ने सरकार से सुरेंद्र सोरेन के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 20 लाख रुपया अभिलंब आर्थिक मुआवजा की मांग की है क्योंकि वर्तमान में सुरेंद्र सोरेन के बच्चों की पढ़ाई लिखाई और रहन-सहन करने के लिए काफी संकट से गुजरना पड़ेगा। उनको श्रद्धांजलि देने के लिए प्रखंड के दर्जनों शिक्षक हसीब अंसारी, रफीक आलम, परमिंदर भंडारी, गौतम कुमार सिंह, निराला रामसुंदर, मडिया सरस्वती, बास्की सारोला, हासदा, अख्तर अंसारी, तनवीर आलम, वकील मुर्मू, लीला सोरेन, बुद्रीनाथ मुर्मू, अजीत वर्मा, इंद्रजीत गुप्ता, संजय पाल, दिनेश शाह, दयामय शाह, सुनीता हासदा ,प्रेमलता टुडू, सुहागिन हेमरम ,भीमा टुडू, सुरेश टुडू, बाबरली हासदा ,रामकिशोर मरांडी आदि शिक्षक उपस्थित हुए।

बिहार निषाद संघ प्रदेश कोर कमिटी की बैठक संपन्न

पटना। पुनाईचक अवस्थित बिहार निषाद संघ के प्रदेश कार्यालय में संघ के प्रदेश कोर कमिटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संघ के प्रदेश अध्यक्ष ई हरेन्द्र प्रसाद निषाद ने कहा कि प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना का उद्देश्य देश में मत्स्य पालन का बढ़ावा देना और मत्स्य पालन से जुड़े मछुआरे,मछली श्रमिक ,मछली विक्रेता,मत्स्य सहकारी समितिया,मछली किसान उत्पादन संगठन आदि को इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करना है।बिहार के मछुआरे इस योजना के जानकारी के अभाव एवंअन्य कारणों से इस योजना से पूरी तरह लाभ नहीं ले पा रहे है।इस योजना के कार्यक्रम क्रियान्वयन में बिहार राज्य मछुआरा आयोग का अहम भूमिका हो सकता है।माननीय मुख्य मंत्री से बिहार राज्य मछुआरा आयोग का शीघ्र

पुनर्गठन करने की मांग करते है।संघ के कार्यकारी प्रधान महासचिव धीरेन्द्र निषाद ने कहा कि निषादों के घटते रोजगार को देखते हुए सरकार से नौ सूत्री मांग की गई है जैसे परम्परागत मछुआ जाति का प्रमाणिक सूची जारी कर प्रखंड स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों से गैर मछुआ को निष्कासित कर परम्परागत मछुआ को ही सदस्य बनाने,नदियों में बालू खनन की बन्दोबस्ती में निषादों के साथ कोटा निर्धारित करने,नदियों के दियारे की खेती योग्य गैरमजरूआ जमीन की बन्दोबस्ती भूमिहीन निषादों के साथ करने,निषाद गोताखोरों को नियमित नियुक्ति करने एवं नौका घाट परिचालन सिर्फ निषादों के लिए आरक्षित करने,एवं नाव-जाल निशुल्क मछुआरों को उपलब्ध कराने की मांग की गई है किन्तु सरकार द्वारा इस पर अभी तक कोई पहल नहीं की गई है।महासचिव दिलीप कुमार निषाद, मनोज कुमार, धनंजय कुमार ने सड़क के किनारे मछली बेच रहे मछुआरों के लिए शहरों एवं प्रखंड मे सरकार से फिश मार्केट बनाने की मांग की।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगर सरकार निषादों की नौ सूत्री मागों परअप्रैल 2025 तक निर्णय नहीं लेगी तो मई माह में पटना में विशाल धरना प्रदर्शन बिहार निषाद संघ के द्वारा किया जायेग।

पूर्व विधान परिषद सदस्य, पूर्व अति पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष एवं पटना हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता स्व.उदय कान्त चौधरी के निधन पर शोक ब्यक्त कर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस बैठक में लाल बहादुर विन्द को संघ केप्रदेश उपाध्यक्ष पद पर ,और शंकर चौधरी को प्रदेश महासचिव के पद पर मनोनीत किया गया। पूर्व विधान परिषद सदस्य , अति पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष एवं पटना हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता स्व.उदय कान्त चौधरी के निधन पर शोक ब्यक्त कर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में रामजतन चौधरी,धनंजय कुमार, सुनील चौधरी कुमार मदन प्रसाद सिं ,जयराज निषाद,डॉ राज किशोर विन्द, मेघनाथ सहनी,जयमंगल चौधरी,रघुनाथ महतो,अभिमन्यू निषाद, जयराज निषाद,डॉ राजकिशोर विंद,जीतेन्द्र कुमार,विजेंद्र कुमार निषाद, अशोक कुमार, टिंकू कुमार,राकेश कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।